



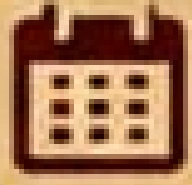
कमला नेहरु महाविद्यालयः

दिल्ली विश्वविद्यालयः

संस्कृतविभागः

शैक्षिक-दिवसः

अन्तर्महाविद्यालयीना श्लोकावृत्तिप्रतियोगिता
च



15/10/2026; बृहस्पतिवासरः



प्रातःदशवादनम्



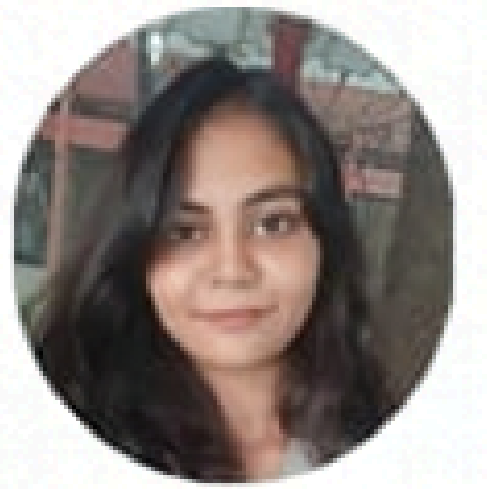
कक्ष सङ्ख्या L112



संयोजिका
प्रो. सरिता शर्मा



प्राचार्या
प्रो. (डॉ.) पवित्रा भारद्वाजः



छात्राध्यक्षा
सुहानी शर्मा

संयोजन समितिः - प्रो सुषमा चौधरी, प्रो मैत्रेयी
कुमारी, प्रो कमलेश रानी, डॉ अनिल कुमारः, डॉ
ग्रीन अवस्थी, डॉ हितेश मीणा

मूल्यांकनस्य आधाराः

(मूल्यांकन के आधार)

1. पद्मानां शुद्ध स्पष्ट चोच्चारणम्।

(श्लोक का शुद्ध एवं स्पष्ट उच्चारण।)

2. स्वरस्य, लयस्य, गतेः उचितविरामस्य च पालनम्।

(स्वर, लय, गति एवं उचित विराम का पालन।)

3. वाचने प्रवाहः स्पष्टता च।

(वाचन में प्रवाह एवं स्पष्टता।)

4. भावाभिव्यक्तिः प्रभावशाली प्रस्तुतीकरणं च।

(भावाभिव्यक्ति एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण।)

5. निर्धारितसमयसीमायाः पालनं समग्रप्रस्तुतिः च।

(निर्धारित समय-सीमा का पालन एवं समग्र प्रस्तुति।)

पञ्जीकरणार्थमः

<https://forms.gle/7mjJeCRJ2UKfacg87>

पंजीकरण के लिए:

For Registration:



श्लोकावृत्ति प्रतियोगिता के लिए निर्धारित श्लोक नीचे प्रस्तुत किया गया है। सभी प्रतिभागी इस श्लोक को शुद्ध उच्चारण, उचित स्वर-लय, स्पष्ट वाचन एवं भाव-भंगिमा के साथ उच्चारित करें।

श्रीभगवतीस्तोत्रम्

जय भगवति देवि नमो वरदे जय पापविनाशिनि बहुफलदे ।
जय शुम्भ-निशुम्भ कपालधरे प्रणमामि तु देवि नरार्तिहरे ॥१॥
जय चन्द्रदिवाकर-नेत्रधरे जय पावकभूषितवक्रवरे ।
जय भैरवदेहनिलीनपरे जय अन्धकदैत्यविशोषकरे ॥२॥
जय महिषविमर्दिनिशूलकरे जय लोकसमस्तकपापहरे ।
जय देवि पितामहविष्णुनुते जय भास्करशक्रशिराऽवनते ॥३॥
जय षण्मुख-सायुध-ईशनुते जय सागरगामिनि शम्भुनुते ।
जय दुःख-दरिद्र-विनाशकरे जय पुत्रकलत्रविवृद्धिकरे ॥४॥
जय देवि समस्तशरीरधरे जय नाकविदर्शिनि दुःखहरे ।
जय व्याधिविनाशिनि मोक्षकरे जय वाञ्छितदायिनि सिद्धिकरे ॥५॥
एतद्व्यासकृतं स्तोत्रं यः पठेन्नियतः शुचिः ।
गृहे वा शुद्धभावेन प्रीता भगवती सदा ॥६॥
॥ इति व्यासकृतं भगवतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

🏆 “प्रतियोगितायाः विजेतृभ्यः प्रमाणपत्राणि प्रदास्यन्ते।”

(प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएँगे।)